NAAC ACCREDITED "B++" (CGPA 2.89)

Yogoda Satsanga Educational Institutions

Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

Jagannathpur, Dhurwa, Ranchi-834004

www.ysmranchi.net

ysmranchi4@gmail.com

Sem : SEC-1

Indian History ,Culture & An Introduction to Archeology

Course:MJ- 1

(NEP)

Lesson: पुरातत्त्व : अर्थ, परिभाषा

By : Dr. Amrita Dutta

Lecture No. 75

© All Copyrights are Reserved

This Video is an Intellectual Property of Yogoda Satsanga Mahavidyalaya, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand

➢पुरातत्व-परिचय

पुरातत्व : अर्थ, परिभाषा, विषय-वस्तु (अध्ययन क्षेत्र) एवं विविध विज्ञानों से सम्बन्ध

सामान्यतया ऐतिहासिक महत्त्व की प्राचीन वस्तुओं के अध्ययन को पुरात्तत्त्व का नाम दिया जाता है, परन्तु आधुनिक युग में अपने बहुआयामी स्वरूप के कारण इसे किसी सीमित परिभाषा के द्वारा स्पष्ट कर पाना दुष्कर है।

➢ कुछ समय पर्व तक लिपिबद्ध स्रोतों के आधार पर इतिहासकार किसी स्थल विशेष का इतिहास लिखा करते थे परन्तु अब परातत्त्व विज्ञान के अध्ययन के आधार पर अनेक स्थानों का सांस्कृतिक, धार्मिक इतिहास लिखने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आती।

➢पुरातात्त्विक अध्ययनों ने सहस्रों वर्षों पूर्व के खण्डहरों में दबी संस्कृतियों को उत्खनित कर उन्हें समुद्घाटित करने का सारगर्भित सफल एवं स्तुत्य प्रयास किया है। पुरातत्त्व का समस्त अध्ययन मानव को केन्द्र में रखकर किया जाता है

- पुरातत्व शब्द आंग्ल भाषा के आर्कियोलॉजी (Archaeclogy) शब्द का हिन्दी रूपान्तर है
- जो यूनानी भाषा के आर्कियोस (Archaios) तथा लोगोसे (Logos) शब्दों का संयुक्त रूप है।
- इनमें आर्कियोस का अर्थ है प्राचीन अथवा पुरातन तथा लोगोस का अर्थ है ज्ञान अथवा विज्ञान।
- इस प्रकार आर्कियोलॉजी का शाब्दिक अर्थ होता है-पुरातन ज्ञान अथवा विज्ञान।
- परन्तु सम्प्रति पुरातत्त्व शब्द का अर्थ उसके शाब्दिक अर्थ से भिन्नार्थ में प्रयुक्त किया जाता है।
- अबतक हुए पुरातात्त्विक अध्ययनों द्वारा पुरातत्त्व की अधोलिखित परिभाषाएँ प्रकाश में आई हैं-

➢पुरातत्त्व को परिभाषित करते हुए ओ. जी. एस. कौंफोर्ड महोदय का कथन है, "पुरातत्त्व विज्ञान की वह शाखा है

➢जिसमें अतीत के गर्भ में विलुप्त मानव संस्कृति का अध्ययन किया जाता है और व्यवहार में उसका प्रभाव एवं उद्देश्य आदिकालीन एवं प्रागितिहासिक संस्कृतियों का विवरण प्रस्तुत करता है।"

भारतीय पुराविद् एच. डी. सांकलिया के अनुसार, "पुरातत्त्व प्रधानतः पुरावशेषों का ही अध्ययन है।"

➢परन्तु यह परिभाषा पुरात्ततत्त्व के विस्तृत स्वरूप का संकुचित रूप प्रतीत होती है।

➢संकुचित अर्थ में पुरातत्त्व का अध्ययन विषय मानव की हस्तकला के अवशेष है। परन्तु वास्तव में एन॰ सी॰ नेल्सन के अनुसार, "पुरातत्त्व मनुष्य तथा उसकी संस्कृति की उत्पत्ति, प्राचीन अवस्था तथा विकास से सम्बन्धित समस्त भौतिक अवशेषों

का अध्ययन है- (Archaeology may be defined as the science devoted to the study of the entire body of tangible relics pertaining to the origin, the antiquity and the development of man and his culture.)

बोल्स तथा हाइजर के अनुसार, "पुरातत्त्व या प्रागितिहासिक प्राथमिक रूप से प्राचीन संस्कृतियों तथा आधुनिक सभ्यताओं की भूतकालीन अवस्थाओं का अध्ययन है-

(Archaeology or pre-history deals primarily with ancient cultures and with past phases of modern civilization.)

एक अन्य पुराविद् ने पुरातत्त्व को "अपेक्षाकृत अल्प विश्वसनीय स्रोतों के आधार पर निर्मित प्राचीन काल के अध्ययनों को प्रमाणित करनेवाला" कहा है-

(Archaeology is the touchstone to verify the studies of Ancient times made on the basis of comparatively less reliable sources.)

इसके विपरीत के. एम. श्रीवास्तव के अनुसार, "मानव के विभिन्न उपकरणों, औजारों तथा उसकी अन्य उपयोगी सामग्री जो भूमि में एक अन्तराल से प्रकृति एवं जलवायु में सुरक्षित है, उनके अध्ययन से मानव के अतीत के विभिन्न चरणों के विकास का वैज्ञानिक अध्ययन ही पुरातत्त्व है।

- अमेरिका में आदिकालीन संस्कृतियों के अध्ययन को 'पुरातत्त्व विज्ञान' की संज्ञा से अभिहित किया जाता है जबकि यूरोप में इसी अध्ययन को प्रागितिहासिक के नाम से जाना जाता है।

- पुरातत्त्वीय अनुसन्धान मानव अतीत के उन कालों से सम्बद्ध है, जब मानवीय गतिविधियों; मानव समाज की घटनाओं तथा घटनाओं के विकास को लिपिबद्ध कर सुरक्षित रखना मनुष्य नहीं सीख पाया था।

- दूसरे शब्दों में आदिकालीन मानव के अध्ययन को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

- (i) लिखित, (ii) अलिखित।

- लिखित अध्ययन वह है जो दस्तावेजों, अभिलेखों, मुद्राओं आदि के रूप में होते हैं जबकि अलिखित अध्ययन के अन्तर्गत पुरावशेषों (भवनों, शव स्थानों, उपकरणों, पात्रों एवं आभूषणों आदि) का स्थान है

- जिनका मनुष्य ने अपने उपयोग के लिए निर्माण किया अथवा जिन्हें प्रयुक्त किया।

- साथ ही इसके अतिरिक्त कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं होते। पुरातत्त्व वेत्ता अलिखित इतिहास का अध्ययन करते हैं।

- अलिखित काल (लिपि के विकास के पूर्व तथा प्रारम्भिक काल में मानव के क्रिया-कलापों का ज्ञान ही पुरातत्त्व का प्रमुख उद्देश्य है। पुरातत्त्व विज्ञान के अध्ययन के माध्यम में मनुष्य विरचित नमूनों के वे अवशिष्ट शामिल है जो शिल्प तथ्य कहलाते है।

- मानव निर्मित आवासों के ध्वन्सावशेषां के प्रमाण, समाधियों जिनमें समाधिस्थ करते समय मानवोपयोगी सामग्रियाँ रख दी जाती थी तथा मानव द्वारा प्रयुक्त सामग्रियाँ पुरातात्त्विक अध्ययन में अत्यन्त उपादेय भूमिका का निर्वाह करती है।

- अन्य अनेक विज्ञानों की ही भाँति पुरातत्त्व विज्ञान ने भी अपने क्षेत्र को व्यापकता प्रदान किया है।

- अब इसका अध्ययन मात्र विभिन्न उपकरणां, पुरावशेषो का संग्रह तथा उनका क्रमवार निर्धारण ही नहीं, वरन् उनके आधार पर मानव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन यथा-मानव के जीवन-यापन की प्रकृति, रहन-सहन,

- पर्यावरण, संस्कृतियों का क्रमवार निर्धारण परास्थलों के प्रकार, मानव आवासों का अध्ययन, उसके उपयोग की प्रकृति, प्राकृतिक सम्पदाओं की प्राप्ति एवं सबके परिप्रेक्ष्य में मानव संस्कृति का विकास आदि पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा है।

- पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्री के सांस्कृतिक विकास का अध्ययन करके पराविद् यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि शिकार एवं मछली मारने की अर्थ व्यवस्था के साथ-ही-साथ कतिपय अन्य सांस्कृतिक उपलब्धियों भी प्राप्त थीं यथा-छोटी-छोटी ग्रामीण बस्तियों का निर्माण।

- दूसरी ओर कृषि एवं पशुपालन उदयोग की उन्नति के कारण अधिक व्यवस्थित आबादियों का होना अर्थात् नगरी-महानगरी का बस जाना स्वाभाविक है।

Thank You